



ESTD. 2001
STEPPING STONE
SCHOOL (HIGH)

CLASS: VI
Worksheet - IX

Subject: Hindi 2nd Language
Topic: Comprehension

Date: 06-05-2020
Time Limit: 30 mins

(दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए)

एक दिन वाल्मीकि अपने आश्रम में ध्यानमग्न बैठे थे, तब उन्हें नारद जी की बात याद आई, वाल्मीकि ने नारद जी से सर्वगुण संपन्न, धर्मात्मा और सत्य-प्रतिज्ञ पुरुष का नाम पूछा था, नारद जी ने उन्हें इशवाकु वंश के राजा दशरथ के पुत्र राम की कथा सुनाई थी, वाल्मीकि मन ही मन में राम कथा का स्मरण कर ही रहे थे कि तभी उन्हें सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी ने दर्शन दिए।

ब्रह्मा जी बोले, "महर्षि, मेरी इच्छा से, आपके मुख से 'मा निषाद'----- श्लोक निकला था, आप श्लोक रूप में ही रामचंद्र के संपूर्ण चरित्र का वर्णन करें, श्री राम की कथा, नारद जी आपको पहले ही सुना चुके हैं, आप इस कथा को विस्तार से लिखें, मैं आशीर्वाद देता हूँ कि राम कथा लिखते समय दशरथ, राम, सीता तथा शवण सहित सभी राक्षसों का सारा वृत्तांत स्वयं आपकी आँखों के सामने आता जाएगा, आपकी लिखी रामायण इस लोक में अमर हो जाएगी।"

ब्रह्मा जी यह आशीर्वाद देकर अंतर्धान हो गए, अब वाल्मीकि ने श्री राम की कथा लिखनी आरंभ की, लिखते समय, श्री राम के जीवन की प्रत्येक घटना, ऋषि को अपनी आँखों के सामने प्रत्यक्ष दिखाई देती रही, वे निरंतर रामायण लिखते गए तथा चौबीस हजार सुंदर, भावपूर्ण श्लोकों में पूरी राम कथा लिख दी।

I. विलोम शब्द लिखिए:- (i) आशीर्वाद (ii) सत्य

II. दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए:- (i) दिन (ii) पुत्र

III. प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

- वाल्मीकि जी कहां बैठे थे, तभी उन्हें किसकी याद आई?
- नारद जी ने उन्हें किसकी कथा सुनाई? सृष्टि के रचयिता कौन हैं?
- ब्रह्मा जी ने किसे और क्या आशीर्वाद दिया?

IV. किसने-किससे कहा:-

- "आपकी लिखी रामायण इस लोक में अमर हो जाएगी।"
- "आप इस कथा को विस्तार से लिखें।"